

प्राचीन मेसोपोटामिया का चरित्र और प्रभाव

प्राचीन मेसोपोटामिया सभ्यता ने क्या किया और क्या नहीं किया, इसने अपने पड़ोसियों और उत्तराधिकारियों को कैसे प्रभावित किया और इसकी विरासत ने क्या प्रसारित किया, ये प्रश्न आधुनिक सभ्यता के दृष्टिकोण से उठाए गए हैं और आंशिक रूप से नैतिक पहलुओं से रंगे हुए हैं, इसलिए उत्तर केवल तभी मिल सकते हैं सापेक्ष हो. आधुनिक विद्वान "प्राचीन मेसोपोटामिया सभ्यता" के कुल योग का आकलन करने की क्षमता मानते हैं; लेकिन, असीरियोलॉजिस्ट के एक लेख के प्रकाशन के बाद सेबेन्नो लैंड्सबर्गर ने "डाई ईगेनबेग्रिफ़्लिचकेइट डेर बेबीलोनिसचेन वेल्ट" (1926; "द डिस्टिंक्टिव कॉन्सेप्चुअलिटी ऑफ़ द बेबीलोनियन वर्ल्ड") पर प्राचीन मेसोपोटामिया और इसकी सभ्यता को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में देखने की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करना लगभग एक आम बात बन गई ।

प्राचीन मेसोपोटामिया में कई भाषाएँ थीं और संस्कृतियाँ; इसका इतिहास कई अवधियों और युगों में विभाजित है; इसकी कोई वास्तविक भौगोलिक एकता नहीं थी, और सबसे बढ़कर कोई स्थायी राजधानी नहीं थी, ताकि अपनी विविधता के कारण यह अधिक एकरूपता के साथ अन्य सभ्यताओं, विशेषकर मिस्र की सभ्यताओं से अलग दिखे ।स्क्रिप्ट औरपैन्थियन एकीकृत कारकों का गठन करते हैं , लेकिन इनमें भी मेसोपोटामिया बहुलता और विविधता के प्रति अपनी प्रवृत्ति दर्शाता है। लिखित दस्तावेज़ बड़ी मात्रा में तैयार किए गए थे और अक्सर एक ही पाठ की कई प्रतियां होती थीं। देवालय में 1,000 से अधिक लोग शामिल थेदेवता , यद्यपि अनेकदिव्य नाम एक ही ईश्वर की विभिन्न अभिव्यक्तियों पर लागू हो सकते हैं । मेसोपोटामिया सभ्यता के 3,000 वर्षों के दौरान, प्रत्येक शताब्दी ने अगली शताब्दी को जन्म दिया। इस प्रकार शास्त्रीय सुमेरियन सभ्यता ने अक्कादियों को प्रभावित किया, और उर III साम्राज्य, जो स्वयं सुमेरो-

अक्कादियन संश्लेषण का प्रतिनिधित्व करता था, ने दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की पहली तिमाही पर अपना प्रभाव डाला । हित्तियों के साथ, अनातोलिया के बड़े क्षेत्र 1700 ईसा पूर्व से मेसोपोटामिया की संस्कृति से प्रभावित थे। मैरी के माध्यम से, सीरिया में एबला के साथ , अलेप्पो से लगभग 30 मील दक्षिण में , संपर्क 24 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में वापस चले गए, ताकि अमरना काल (14 वीं शताब्दी ईसा पूर्व) के दौरान सीरियाई और फिलिस्तीनी स्क्रिबल स्कूलों और बेबीलोनियन सभ्यता के बीच संबंध बहुत अधिक रहे हों। पुराने पूर्ववर्ती. किसी भी दर पर, क्यूनिफॉर्म साहित्य और हिब्रू बाइबिल में कुछ विषयों की समानता , जैसे कि बाढ़ की कहानी या धर्मी पीड़ित का रूपांकन, ऐसे शुरुआती संपर्कों के कारण है।